बीते 6 सालों में तमनार ब्लॉक के 48 गांवों के 3904 बच्चे कुपोषण से बाहर आए

जेपीएल फाउंडेशन की चिरंजीवी परियोजना ने बिखेरी कुपोषित बच्चों के चेहरे पर मुस्कान

● नवभारत ब्यूरो | रायगढ़.
www.navbharat.org

जेएसपीएल फाउन्डेशन जेपीएल तमनार अपने सीएसआर परियोजनाओं के माध्यम से तमनार क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, जीविकोपार्जन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास व आधारभूत संरचना निर्माण की विभिन्न परियोजनाओं का संचालन कर रही है ताकि क्षेत्र का सतत् सामाजिक व आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सके. स्वास्थ्य के क्षेत्र में जेएसपीएल फाउन्डेशन बालस्वास्थ्य परियोजना के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर संस्थागत प्रसव, गर्भवती व धात्री माताओं की सम्पूर्ण देखभाल, 0-18 माह तक के बच्चों का शत् प्रतिशत टीकाकरण हेतु सक्रिय भागीदारी निभा रही है. ताकि शिशु व मातृ मृत्युदर को न्यूनतम स्तर पर



बच्चों का माप करती कार्यकर्ता.

लाया जा सके. बच्चों में कुपोषण सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में एक बड़ी चुनौती है. नीति आयोग के अनुसार छत्तीसगढ़ में 0-5 वर्ष के 37.7 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार हैं. उपरोक्त स्थितियों को देखते हुए जेएसपीएल फाउन्डेशनद्वारा वर्ष 2014-15 मेंबच्चों में कुपोषण दूर करने हेतु चिरंजीवी परियोजना की शुरूवात की जिसका शुभारंभ पूर्व विधायक श्रीमती सुनिती राठिया द्वारा ग्राम छर्राटांगर में किया गया था. परियोजना समन्वित बालविकास योजना, (आईसीडीएस) के संयुक्त तत्वाधान में क्षेत्र के 38 ग्राम में लागूकी गई. परियोजना अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष 06 माह से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों काबीएमआई किया जाता है तथा चिन्हित कुपोषित बच्चों की सम्पूर्ण देखभाल पोषाहार चिकित्सीय सहायता के साथ साथ अभिभावकों को जानकारी और परामर्श दिया जाता तथा बच्चों की निरन्तर निगरानी स्वास्थ्य समितियों द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर की जाती है. परियोजना अन्तर्गत वर्ष 2014-15 में चिन्हित कुपोषित बच्चों की संख्या 750 2015-16502, 2016-17 में 487, 2017-18 में 677, 2018-19 में 788, 2019-20 में 700 और 2020-21 में 405 थी. परियोजना अन्तर्गत अब तक कुल 4309 कुपोषित बच्चे चिन्हित किये गये जिसमें से वर्ष 2014-15 से अब तक 3904 बच्चे कुपोषण से बाहर आए, वर्तमान में 405 कुपोषित बच्चों की देखभाल जारी है.